

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाहीमदेइनिशियल्स

राम कचल

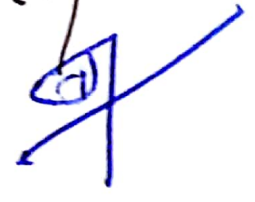
श्री ७२५ के रस्ता

द्वारा

७९/१५

१/१/१९

परील बाकी उपस्थित । खरा वाही खासि क्रिया
 जात है । विस्तृत निर्णय पुस्त है सिखाया
 जात । शामिल किया गया जावली के सस
 सुमार ३०२ नम्बर है कम है



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी सपोटरा जिला करौली

पीठासीन अधिकारी- श्रीमती तारामती वैष्णव आर.ए.एस. उपखण्ड अधिकारी सपोटरा

मु0नं0	किरम	ता0दायरा	तारीख निर्णय
69 / 14	दावा	24.09.14	21.01.19

रामकवार पुत्र भीमा आयु 50 साल जाति बैरवा निवासी बाढ सलेमपुर तहसील सपोटरा जिला करौली राजस्थान।

-वादी

बनाम

1. लक्ष्मीनारायण पुत्र रामदेव सभी जाति बैरवा निवासी बाढ सलेमपुर तह0 सपोटरा
2. हटीला पुत्र मोहन जिला करौली राजस्थान
3. किशोरी पुत्र मोहन
4. लैण्ड होल्डर जरिये तहसीलदार तहसील सपोटरा जिला करौली राजस्थान।

-प्रतिवादीगण

दावा अन्तर्गत धारा 53,88,188 आर.टी.एक्ट

उपस्थित:- श्री शेरसिंह वकील वादी।

संक्षेप में वाद तथ्य वादी इस प्रकार से है कि वादी ने एक वाद विरुद्ध प्रतिवादीगण इस आशय का पेश किया है कि आराजी खसरा नं0 1214 रकबा 1 बीघा 06 बिस्वा, खसरा नं0 1323 रकबा 01 बीघा 02 बिस्वा, खसरा नं0 1330 रकबा 01 बीघा, खसरा नं0 1332 रकबा 01 बीघा 01 बिस्वा कुल किता 4 कुल रकबा 04 बीघा 09 बिस्वा वाके ग्राम बाढ सलेमपुर तहसील सपोटरा वादी एवं प्रतिवादीगण की सहखातेदारी की आराजीयात है। उक्त आराजीयात पुष्टतैनी है। वादी के बाबा बक्शी के तीन संतान हुई रामदेव, मोहन, भीमा। भीमा का वादी है। रामदेव के दो संतान हुई मीट्या, हरकेश। मोहन के दो संतान प्रतिवादी सं0 2 व 3 है। हरकेश पूर्व मे ही नाओलाद फोट है जबकि मीट्या 05 वर्ष पूर्व से लापता है जिसका अतापता नहीं है। मीट्या प्रतिवादी सं0 1 के हिस्से की आराजी को मुझ वादी को संभलाकर गया है। इसलिए प्रतिवादी सं0 1 मीट्या के हिस्से की आराजी का वादी घोषणा खातेदारी कराने का अधिकारी है। प्रतिवादी सं0 1 मीट्या अविवाहित है उसके कोई संतान नहीं है। दिनांक 16.9.14 को प्रतिवादी सं0 2 व 3 से वादी ने बाहमी बंटवारा अनुसार बंटवारा कराने के लिए कहा तो प्रतिवादीगण साफ इंकार हो गये और कहा कि हम किसी प्रकार का कोई बंटवारा नहीं करेंगे ना ही बंटवारा होने देंगे। इसलिए वादी ने वाद पत्र पेश कर विवादित आराजीयात का कब्जा अनुसार बंटवारा कराया जाकर, प्रतिवादी सं0 1 की हिस्से की जमीन पर मौके पर कब्जा अनुसार घोषणा खातेदारी कराये जाने एवं प्रतिवादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद करने का निवेदन किया है।

दावा वादी दर्ज कर तलबी प्रतिवादीगण जरिये सम्मन की गई। प्रतिवादी सं0 1 लगायत 3 बावजूद सम्मन तामील उपस्थित न्यायालय नहीं आये इसलिए इनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही के आदेश पारित किये गये। प्रतिवादी सं0 4 ने वाद पत्र मे राज्यहित प्रभावित नहीं होने के कारण कोई जवाब दावा पेश नहीं किया इसलिए कोई तनकीयात कायम नहीं की गई है।

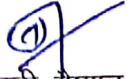
वकील वादी ने साक्ष्य मे वादी रामकवार का शपथ पत्र पेश किया तथा दस्तावेजी साक्ष्य मे जमाबंदी ग्राम बाढ सलेमपुर तहसील सपोटरा सम्बत् 2069-72 पेश की है।

विद्वान अभिभाषक वादी की एकतरफा बहस सुनी गई तथा पत्रावली का अवलोकन किया गया। जमाबंदी ग्राम गज्जपुरा सम्बत् 2069-72 के अनुसार वादी एवं प्रतिवादी सं0 1 ता 3 विवादित आराजीयात के रिकार्ड सहखातेदार दर्ज रिकार्ड है किन्तु सहखातेदार हरकेश पिता रामदेव का नाम उक्त जमाबंदी मे दर्ज है जिसे वाद पत्र मे पक्षकार नहीं बनाया गया है, वादी ने अपने वाद तथ्यों मे जिसे पूर्व मे ही ना ओलाद फोट होना दर्ज

(तारामती वैष्णव)
उपखण्ड अधिकारी
सपोटरा, जिला-करौली

किन्ना है जिसके सम्बन्ध मे कोई दस्तावेज मृत्यु प्रमाण पत्र इत्यादि प्रस्तुत नहीं किये है। इस हेतु पक्षकारान को हरकेश के वैध वारिशन की जांच करवाकर तहसीलदार के यहां विरासत का नागान्तरकरण खुलवाना चाहिए था। प्रतिवादी सं० 1 गीठ्या को भी वादी ने पांच वर्ष पूर्व से लापता बताया है जिसका कोई अता पता नहीं है, इस हेतु वादी को सिविल न्यायालय से गीठ्या के वैध वारिशन घोषित करवाने चाहिए थे जिसके सम्बन्ध मे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये है। इस प्रकार गीठ्या के हिरसे की आराजी की घोषणा खातेदारी प्राप्त करने के लिए वादी ने पर्याप्त साक्ष्य सबूत पेश नहीं किये है इसलिए घोषणा खातेदारी पाने का वादी हकदार नहीं है। इसलिए वादी का वाद पत्र खारिज किये जाने योग्य हैं।

अतः दावा वादी खारिज किया जाता हैं। निर्णय आज दिनांक 21.01.2019 को सारे इजलास सुनाया गया। इसी अनुसार पर्चा खिकी जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।


(तारामती वैष्णव आरएएस)
उपखण्ड अधिकारी
सपोटरा जिला करौली